

स्थानीय ट्रेड्स को समझें, मार्केट की डिमांड को ध्यान में रखें

बुटीक और टेलरिंग
से जुड़ी महिलाओं
के लिए सीख



राजस्थान पत्रिका



Entrepreneurship
Development
Institute of India

पत्रिका समूह और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआइआइ), अहमदाबाद की संयुक्त पहल, महिलाओं को मिल रही है बिजनेस को बढ़ा करने से जुड़ी ट्रेनिंग।

बिजनेस बूस्टर के दूसरे बैच में फैशन, टेलरिंग व बुटीक से जुड़ी महिला उद्यमियों को ट्रेनिंग दी जा रही है। उन्हें बिजनेस मैनेजमेंट, मार्केटिंग, प्रोडक्ट सेलिंग, ट्रेड्स, सोशल मीडिया प्रमोशन आदि की जानकारी दी जा रही है। छह सप्ताह तक चलने वाली इस ट्रेनिंग में शहरों, छोटे कस्बों सहित गांवों की महिलाएं भी शामिल हैं। उन्हें सिखाया जा रहा है कि कैसे अपने कार्य और बिजनेस के तरीकों में बदलाव करें।

बुटीक व्यवसाय से जुड़े तीन मंत्र

ईडीआइआइ के ट्रेनर व फैकल्टी उमेश श्रीवास्तव का कहना है कि फैशन और बुटीक व्यवसाय में तीन बातें बेहद जरूरी हैं जिनमें सबसे अहम है कि आप मार्केट की डिमांड को ध्यान में रखकर उत्पाद बनाएं। अगर अपने अनुसार ही उत्पाद बनाएंगे और मार्केट में उसकी डिमांड नहीं है तो वह पैसे और समय की बर्बादी है। मार्केट का रुख देकर उत्पादन करते हैं तो यह जरूर आपको प्रॉफिट देगा। दूसरी बात यह है कि अपने उत्पाद को आधुनिक तकनीक से जोड़ें। इससे उत्पाद को और बेहतर बनाकर उसका प्रोडक्शन

लेवल बढ़ा सकते हैं। आपको कपड़ों के अलावा अन्य एसेसरीज और उत्पाद भी देखने होंगे। जैसे कोविडकाल में मास्क सबसे ज्यादा डिमांड में रहा। आप क्यों नहीं, अपने डिजाइन किए हुए कपड़ों के साथ मैचिंग मास्क बनाएं। स्कूल यूनिफॉर्म के अलावा अन्य वस्तुओं की यूनिफॉर्म भी तैयार कर सकते हैं। आप मार्केट को एक्सप्लोर करें। सोशल मीडिया से जुड़कर मार्केटिंग करें, क्योंकि यह आपको ग्लोबल मार्केट उपलब्ध करवाएगा। आप अपने स्थानीय ट्रेड्स को भी जरूर समझें।